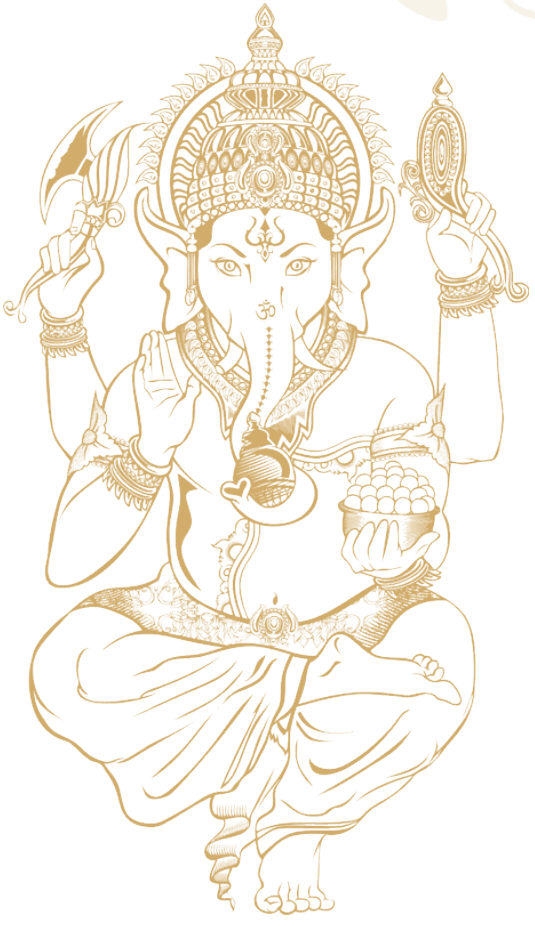

Dilpji

19 Jun 1987

02:30 AM

Nagaur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120270402

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18-19/06/1987	जन्म तिथि	**18/06/2025**
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	20:24:34 घंटे
घटी 52:03:29	जन्म समय(घटी)	36:49:34 घटी
India	देश	India
Nagaur	स्थान	Nagaur
उत्तर 27:12:00	अक्षांश	27:12:00 उत्तर
पूर्व 73:44:00	रेखांश	73:44:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:04	स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:36	सूर्योदय	05:40:44
19:31:46	सूर्यास्त	19:31:42
23:40:53	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:48

मेष	लग्न	धनु
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
2	चरण	4
सौभाग्य	योग	आयुष्मान
कौलव	करण	बालव
थ-थानसिंह	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
गौ	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सर्प
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अश्विनी	4	10:40:48	मेष		
मृगशिरा	4	03:24:30	मिथु		
उ०भाद्रपद	2	08:35:08	मीन		
पुनर्वसु	2	24:54:11	मिथु		
पुनर्वसु	1	22:55:56	मिथु		
अश्विनी	1	00:22:19	मेष		
रोहिणी	2	15:38:05	वृष		
ज्येष्ठा	3	23:28:47	वृश्चि	व	
उ०भाद्रपद	4	14:25:58	मीन		
हस्त	2	14:25:58	कन्या		
मूल	1	00:57:09	धनु	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			धनु	16:42:49	2	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य			मिथु	03:24:30	4	मृगशिरा
चंद्र			मीन	01:02:52	4	पू०भाद्रपद
मंगल			सिंह	06:29:41	2	मघा
बुध			मिथु	23:38:28	2	पुनर्वसु
गुरु		अ	मिथु	07:46:37	1	आर्द्रा
शुक्र			मेष	18:30:12	2	भरणी
शनि			मीन	07:13:08	2	उ०भाद्रपद
राहु			कुंभ	28:02:49	3	पू०भाद्रपद
केतु			सिंह	28:02:49	1	उ०फाल्गुनी
मु		अ	मिथु	10:40:48	2	आर्द्रा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:48

लग्न-चलित

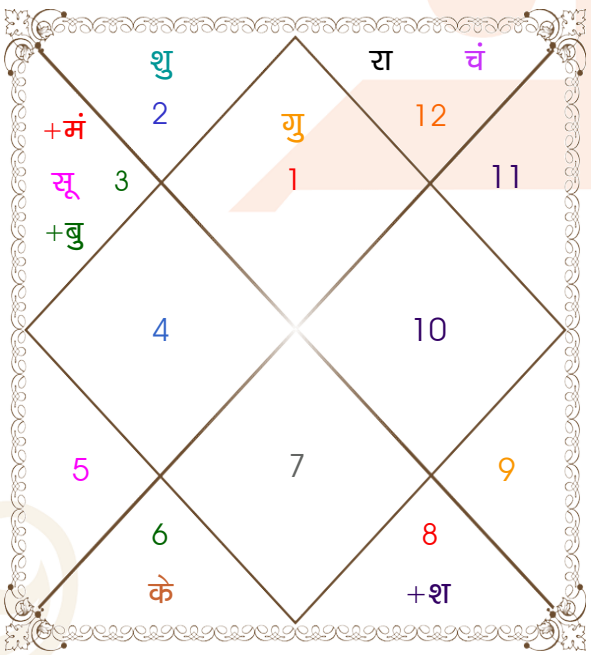

वर्ष लग्न कुंडली

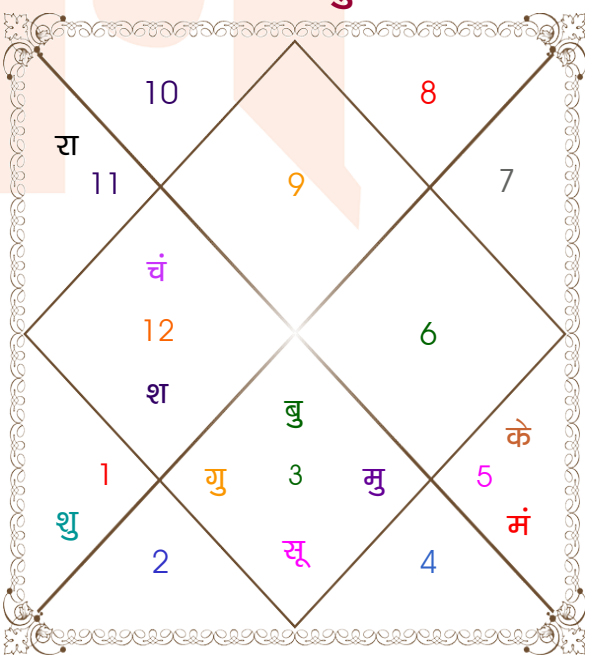

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - बुध		शुक्र - शुक्र - केतु		शुक्र - सूर्य - सूर्य		शुक्र - सूर्य - चंद्र	
24/08/2025 02:33		12/02/2026 14:03		24/04/2026 14:33		12/05/2026 20:51	
12/02/2026 14:03		24/04/2026 14:33		12/05/2026 20:51		12/06/2026 07:21	
बुध	17/09/2025 12:58	केतु	16/02/2026 17:28	सूर्य	25/04/2026 12:27	चंद्र	15/05/2026 09:43
केतु	27/09/2025 14:27	शुक्र	28/02/2026 13:33	चंद्र	27/04/2026 00:59	मंगल	17/05/2026 04:20
शुक्र	26/10/2025 08:22	सूर्य	04/03/2026 02:47	मंगल	28/04/2026 02:33	राहु	21/05/2026 17:54
सूर्य	03/11/2025 23:20	चंद्र	10/03/2026 00:49	राहु	30/04/2026 20:18	गुरु	25/05/2026 19:18
चंद्र	18/11/2025 08:18	मंगल	14/03/2026 04:15	गुरु	03/05/2026 06:44	शनि	30/05/2026 14:58
मंगल	28/11/2025 09:46	राहु	24/03/2026 19:56	शनि	06/05/2026 04:08	बुध	03/06/2026 22:27
राहु	24/12/2025 06:41	गुरु	03/04/2026 07:12	बुध	08/05/2026 18:14	केतु	05/06/2026 17:04
गुरु	16/01/2026 06:37	शनि	14/04/2026 13:04	केतु	09/05/2026 19:48	शुक्र	10/06/2026 18:49
शनि	12/02/2026 14:03	बुध	24/04/2026 14:33	शुक्र	12/05/2026 20:51	सूर्य	12/06/2026 07:21

शुक्र - सूर्य - मंगल		शुक्र - सूर्य - राहु		शुक्र - सूर्य - गुरु		शुक्र - सूर्य - शनि	
12/06/2026 07:21		03/07/2026 14:42		27/08/2026 09:36		15/10/2026 02:24	
03/07/2026 14:42		27/08/2026 09:36		15/10/2026 02:24		11/12/2026 22:21	
मंगल	13/06/2026 13:10	राहु	11/07/2026 19:56	गुरु	02/09/2026 21:26	शनि	24/10/2026 06:09
राहु	16/06/2026 17:52	गुरु	19/07/2026 03:15	शनि	10/09/2026 14:30	बुध	01/11/2026 10:47
गुरु	19/06/2026 14:03	शनि	27/07/2026 19:26	बुध	17/09/2026 12:04	केतु	04/11/2026 19:45
शनि	22/06/2026 23:01	बुध	04/08/2026 13:43	केतु	20/09/2026 08:15	शुक्र	14/11/2026 11:04
बुध	25/06/2026 23:28	केतु	07/08/2026 18:25	शुक्र	28/09/2026 11:03	सूर्य	17/11/2026 08:28
केतु	27/06/2026 05:17	शुक्र	16/08/2026 21:34	सूर्य	30/09/2026 21:30	चंद्र	22/11/2026 04:08
शुक्र	30/06/2026 18:31	सूर्य	19/08/2026 15:19	चंद्र	04/10/2026 22:54	मंगल	25/11/2026 13:05
सूर्य	01/07/2026 20:05	चंद्र	24/08/2026 04:53	मंगल	07/10/2026 19:04	राहु	04/12/2026 05:17
चंद्र	03/07/2026 14:42	मंगल	27/08/2026 09:36	राहु	15/10/2026 02:24	गुरु	11/12/2026 22:21

शुक्र - सूर्य - बुध		शुक्र - सूर्य - केतु		शुक्र - सूर्य - शुक्र		शुक्र - चंद्र - चंद्र	
11/12/2026 22:21		01/02/2027 16:12		22/02/2027 23:33		24/04/2027 20:33	
01/02/2027 16:12		22/02/2027 23:33		24/04/2027 20:33		14/06/2027 14:03	
बुध	19/12/2026 06:16	केतु	02/02/2027 22:01	शुक्र	05/03/2027 03:03	चंद्र	29/04/2027 02:00
केतु	22/12/2026 06:43	शुक्र	06/02/2027 11:15	सूर्य	08/03/2027 04:06	मंगल	02/05/2027 01:01
शुक्र	30/12/2026 21:41	सूर्य	07/02/2027 12:49	चंद्र	13/03/2027 05:51	राहु	09/05/2027 15:39
सूर्य	02/01/2027 11:47	चंद्र	09/02/2027 07:26	मंगल	16/03/2027 19:04	गुरु	16/05/2027 09:59
चंद्र	06/01/2027 19:16	मंगल	10/02/2027 13:15	राहु	25/03/2027 22:13	शनि	24/05/2027 10:45
मंगल	09/01/2027 19:43	राहु	13/02/2027 17:57	गुरु	03/04/2027 01:01	बुध	31/05/2027 15:14
राहु	17/01/2027 13:59	गुरु	16/02/2027 14:08	शनि	12/04/2027 16:21	केतु	03/06/2027 14:15
गुरु	24/01/2027 11:34	शनि	19/02/2027 23:06	बुध	21/04/2027 07:19	शुक्र	12/06/2027 01:10
शनि	01/02/2027 16:12	बुध	22/02/2027 23:33	केतु	24/04/2027 20:33	सूर्य	14/06/2027 14:03

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे ।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा ।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।